

राष्ट्रभाषा प्रवीण पूर्वार्द्ध—3

RASHTRABHASHA PRAVEEN POORVARDH—3

समय : 3 घंटे]

[पूर्णांक : 100

विशेष सूचना :— इसमें तमिल, मलयालम, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी – इन पाँच भाषाओं के प्रश्न-पत्र अलग-अलग खण्डों में दिये गये हैं। परीक्षार्थी अपनी भाषा का खण्ड चुन लें और उत्तर दें।

तेलुगु

1. एवेनी रेंडु पद्यमुलनु संदर्भपत्रात्तिंगा वाञ्छानींचमु.

15

1. मेलुकोलुप्पुलु कोडी कु-सेमु; विरुलु कम्मुलु विच्ची चा-सेमु; कंडी, उडीगियु, आकुलाडग को-सरनोर्यु स गा-लि वी-सेमु.
2. कदु(बसीबिढुवी(डोकटी गादप्पवा-नेऱुगंडु, मुंदरे येंदनोकपा-देऱुंग) डेदयेंतयु(गोमुल, मेंप्पुदेन नुकुव(ग बिलु(गावी तनकुंगलया(कटी प्रादेऱुंग(डी को-कुकिटु वोकुन्नमनमुगुंदेदु निन्गवी यु-उडील्लेदुन्न.
3. अवनीनाथु लनेकु लुंडुंग विश्वाराध्युलार्युल वुही दिविजाल्ल पूज्युलु पल्ल्युरुंडुंग धरित्रीनाथु गांगेयु दु र्युवप्पा-युंबुनु गृष्णुंग गृष्णुचरितुन्न वार्क्ष्येयुंबुजिंची नी यवीकेंग बेंगिंची तिंदउकु दाशार्थुंडु पूजार्थुदे.
4. ऊत्तमु ज्ञानवृद्धु नामुंदेनेवी बालुंडयुंगुनु बुज्युंडु ब्राह्मणुंडु क्षत्रियुंडु पूज्युदमित विक्रमु समुद्धि नुर्मिपत्तुललो नदीकुंदेयुंदेनेवी.

2. “पांचाली भीमपेनुल” रहाण्यु संवादमुनु विशदीकरिंचमुमु.

20

लेदा

शिशुपाल वध फुट्टमु नन्नुयु प्रसन्नुकथा-कलित्तार्थयुक्तिकि अक्षर रम्येतकु वानारुचिरार्थ सु-क्ति निधत्त्वमुनकु लक्ष्य भूत्तमेन दनि निरुपिंचमु.

3. ‘गुणविधि चरित्रमु’ नाथारमुगा शिवधर्मुमु नंदलि सुक्ष्मतमु विवरिंचमु?

20

लेदा

मुगात्री शालीनुल दांपत्ये जीवित विशेषमुलनु गुरिंची विवरिंचमु.

4. “1857 कु भूमिक” श्री पंडित रामारामुगारि दृष्टिलो एट्टीदि? विशदीकरिंचमु.

15

लेदा

आंद्रप्रदेश स्वराषमु - प्रजलु अने वाञ्छमुन वै. रमणगारि अभिप्रायमुलु तेलुगुदु.

5. संफु संस्कृतकु वीरेश्वरिंगंगारु चेसिन सेव एट्टीदि?

15

लेदा

भारतीय संस्कृतिनि गुरी श्री मेका रंगयुगारि अभिप्रायमुलेवी?

6. एवेनी मुदींचेनि गुरी संदर्भपत्रात्तिंगा विवरिंचमु.

15

1. असंतुष्टि अग्निहोत्रिंगा मुंदिपोतुन्नदि. जक वी क्षणांलोन्नां भारतदेशंलो विष्ववं रावम्बु.

2. एकत्त्वंलो वैविध्यं भारत संस्कृतिलो उंदें एक विशिष्टत.

3. परदुष्मजमें परमु एवेकंगा पलवरिंचे तेलुगुवाडी स्वभावमें अंदुकु कारणं.

4. “व्यवसायमु, पशुपालनमु, वाणिज्यमु, कलिपि वार्ता अनि अनिपिंचमुकोमुनु.”

5. “परिशोधन प्रधानंगा विश्वविद्यालय क्षेत्राल्लो पंडिन पंठ : आंद्र विश्वविद्यालयंलो जदि त्तोलिकापु कासिंदि.”